an>

Title: Need to implement the Ganga rejuvenation and interlinking of rivers programmes in Bihar.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक अति लोकमहत्व का विÂषय सदन में रखना चाहता हूं। 'नमामि गंगे' एक अति महत्वकांक्षी योजना है, इस पर हजारों-हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। ...(व्यवधान) बिहार के सुल्तानगंज जहां उत्तरवाहिनी गंगा है और वह भागलपुर-मुंगेर का इलाका है, लोग देवघर-झारखंड तक 107 किलोमीटर की पैदल यात्रा कांवर लेकर करते हैं, उसके रख-रखाव के लिए, उसके घाटों की सफाई के लिए और इस मेला को राÂष्ट्रीय मेला घोÂिषत किया जाये।...(व्यवधान) उसे बंदरगाह का स्वरूप दिया जाये। ...(व्यवधान) मुंगेर, सुल्तानगंज, बांका और भागलपुर तक जो डॉल्फिन्स हैं, उनका बचाव होना चाहिए। ...(व्यवधान) 'नामामि गंगा' के तहत सुल्तानगंज घाट के रख-रखाव, जो देवघर झारखंड तक जाता है, उसे राÂष्ट्रीय मेला घोÂिषत किया जाये। ...(व्यवधान) इसका सपोर्ट हमारे और कई भाई करेंगे। ...(व्यवधान) इसलिए हमारी मांग है कि सुल्तानगंज घाट की रख-रखाव किया जाए और उसे राÂष्ट्रीय मेला घोÂिषत किया जाये।

माननीय अध्यक्ष :

श्री निशिकान्त दुबे और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री जय प्रकाश नारायण यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।